Carpenter's monthly newspaper

कारपेंटर्स न्यूज

www.carpentersnews.com

R.N.I.No.MAHHIN/2005/16460 | Postel Regd. No. MCW/321/2022-24
Posted at Delisle Road, Mumbai-400013. On 20th of Every month | Published on Every 10 th day of the month

मासिक समाचार पत्र

मुंबई | फरवरी 2023 | वर्ष : 18 | अंक : 03 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

फिर उठी कारीगर मंत्रालय की मांग... पेज - 2

Since 1986
Suzu®
An ISO 9001:2015 Certified Company | Certified

36 Growing Years

INDIA'S 1ST STAINLESS STEEL SHACKLE Padlocks ...Series...

INDIA'S 1ST S.S HINGES MANUFACTURER Hinges ...Series...

GLORIOUS RANGE OF
PREMIUM HARDWARE
PRODUCTS

PROUDLY MADE IN INDIA

Explore the Virtual World of Suzu Steel India
Visit www.suzusteel.com
Visit www.suzu.in

Call or Whatsapp:
+91-9811242777, +91-9911118272

Follow us on social media:

Padlocks | Butt Hinges | Aldrops | Screws | Door And Window Fittings | Cabinet Hinges | Door Closers | Mortise Handles | MPL Locks | Shutter Locks | Godown Locks | Main Door Locks

Head Office : 110 I.D.C. Hissar Road, Rohtak - 124001 Haryana (INDIA)

Corporate Office : 209-B, 2nd Floor Crown Heights, Near Rithala Metro Station, Rohini Sector 10, New Delhi - 110085 (INDIA)

Explore Suzu Virtual World
www.suzusteel.com www.suzu.in

CUSTOMER HELPLINE TOLL FREE NUMBER 1800 12000 4005
Time : 10 AM To 7 PM (Monday - Saturday)

MAKE IN INDIA

अमेरिका में इंडियन फर्नीचर का बाजार तलाशेगा सूरत

दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री अप्रैल में डलास और मई में अटलांटा में इंडिया फर्नीचर एंड डेकोर एक्सपो के आयोजन की तैयारी कर रहा है। इस प्रदर्शनी में सूरत समेत देशभर से लगभग 100 एग्जीबिटर भाग ले रहे हैं।

मुंबई। दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की पहल पर डलास और अटलांटा में भारतीय फर्नीचर की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। अमेरिका में टेक्सटाइल के बाद अब फर्नीचर व डेकोर सेग्मेंट में भी सूरत अपने लिए संभावनाएं तलाश रहा है।

इस दिशा में पहल करते हुए दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री 27, 28 व 29 अप्रैल को डलास और 4, 5 व 6 मई को अटलांटा में इंडिया फर्नीचर एंड डेकोर एक्सपो का आयोजन करने जा रहा है। इस प्रदर्शनी में होम टेक्सटाइल्स, भारत के फर्नीचर और इंटीरियर डेकोरेशन की एसेसरीज को एग्जीबिट किया जाएगा।

दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने वर्ष 2022 में अमेरिका में टेक्सटाइल एक्सपो का आयोजन किया था, जो खास सफल रहा था। उस दौरान एग्जीबिशन में आए लोगों ने होटल एवं होम डेकोर और इंटीरियर को लेकर भी उद्यमियों से बातचीत की थी। दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री प्रमुख हिमांशु बोडावाला ने बताया कि उसके बाद से ही अमेरिका में इंडिया फर्नीचर एंड डेकोर एक्सपो को लेकर कवायद शुरू कर दी थी। उन्होंने कहा कि अमेरिकी होटल व्यवसाई इंटीरियर और डेकोर संबंधी उत्पादों का बड़ी संख्या में आयात करते हैं। अमेरिका के डलास और अटलांटा में प्रदर्शनी का आयोजन कर अमेरिका के बड़े हिस्से में कारोबारी संभावनाओं पर काम किया जाएगा। इस आयोजन में एशियन अमेरिकन होटल ओनर्स एसोसिएशन का भी सहयोग मिल रहा है। बी टु बी पैटर्न पर आयोजित होने जा रही इस प्रदर्शनी में सूरत समेत देशभर से लगभग 100 एग्जीबिटर भाग ले रहे हैं।

एक्सपो के अध्यक्ष अमीश शाह ने बताया कि प्रदर्शनी में भाग ले रहे एग्जीबिटर्स का स्थानीय होटल मालिकों, विक्रेताओं और अन्य खरीदारों से सीधा संपर्क होगा। एक्सपो के सह-अध्यक्ष हर्षल भगत ने कहा कि इस एग्जीबिशन से सूरत के टेक्सटाइल उद्योग को भी बूस्ट मिलेगा। चैंबर उपाध्यक्ष रमेश वाघसिया ने कहा कि अमेरिका में होटल निर्माता, आर्किटेक्ट, इंटीरियर, फर्नीचर, होम टेक्सटाइल के आयातक और अमरीकी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियां भी प्रदर्शनी में आएंगी।

फिर उठी कारीगर मंत्रालय की मांग

नई दिल्ली। फर्नीचर मैन्युफैक्चरर्स एंड मर्चेंट वेलफेयर एसोसिएशन व वंशानुगत एंड अदर आर्टिसन्स डेवलपमेंट फाउंडेशन की ओर से कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के स्पीकर हॉल में आयोजित राष्ट्रीय कारीगर संगोष्ठी में केंद्र सरकार से कारीगर मंत्रालय बनाने की मांग की गई।

वीएडीएफ के संस्थापक व सीएमडी वी. विश्वनाथन ने कहा कि पंच शिल्पी विश्वकर्मा समाज के सर्वांगीण विकास के लिए कारीगर मंत्रालय बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कारीगर मंत्रालय की मांग 2004 से चल रही है। प्लानिंग कमीशन ने सरकार को रिपोर्ट दिया है। विश्वनाथन ने कहा कि सरकार से हमारी मांग है कि देश के कारीगरों को आर्थिक ताकत देने के लिए कारीगर मंत्रालय बनाये, जिससे योजनाबद्ध तरीके से कारीगरों का विकास किया जा सके।

मुख्य अतिथि राज्यसभा सदस्य रामचंद्र जांगड़ा ने केंद्र सरकार के बजट में कर्म कौशल विकास योजना शुरू करने के बारे में जानकारी दी। आंध्र प्रदेश व तेलंगाना के विश्वकर्मा कारीगरों ने जांगड़ा को जी 20 का फोटो फ्रेम देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर आंध्र प्रदेश भाजपा कारीगर राज्य संयोजक कोंडामुरी बंगारू बाबू, दारी शिल्पी आदिमूलम ईश्वरचारी, गोकवरापु श्रीनिवास, स्वर्ण शिल्पी नागभूषणाचारी लक्कोजु, पवन कुमार, सतबीर पांचाल, दिनेश गौड़ आदि सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सूत्र संचालन दिनेश वत्स ने किया।

राख, चूना और एल्युमिनियम की क्रांकीट से बनती थी इमारतें

मुंबई। मेसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों ने रोमन साम्राज्य की इंजीनियरिंग और उस दौर की इमारतों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री का पता लगाया है, जो इसकी मजबूती की वजह थी।

शोध करने वाले वैज्ञानिकों का कहना है कि 2 हजार वर्ष पूर्व रोमन अपनी इमारतों में ज्वालामुखी की राख का इस्तेमाल करते थे। इसे वे इटली के पेजौली इलाके से पूरे रोमन साम्राज्य में सप्लाई करते थे। इसके साथ कैल्सियम के लिए चूना मिलाया जाता था। इसके साथ ही सिलिकॉन और एल्युमिनियम भी मिलाया जाता था। वैज्ञानिकों ने इसके लिए रोमन आर्किटेक्ट द्वारा बसाए दूसरे सबसे बड़े शहर इटली के प्रिवेरनम से नमूने इकट्ठे किए थे। इसमें सामने आया कि जिन इमारतों में चूने का इस्तेमाल होता है वे समय के साथ कमजोर पड़ने की बजाय और मजबूत होती जाती है। एमआईटी में सिविल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर ऐडमीर मोजैक के अनुसार रोमन साम्राज्य में जिन चीजों से कंक्रीट बनाया जाता था, वह आधुनिक कंक्रीट में इस्तेमाल नहीं किया जाता है। इतना ही नहीं इतनी मजबूती भी आज किसी भी सीमेंट में नहीं दिखाई देती है। रोमन साम्राज्य अपनी सड़कों और बेहतरीन इमारतों के लिए दुनिया भर में जाना जाता रहा है। उस दौर की इमारतें इंजीनियरिंग का बेहतरीन नमूना हैं, जो आज 2 हजार साल बाद भी शान से खड़ी हैं। आज भी उस दौर में बनी जल नलिकाओं से रोम शहर में पानी सप्लाई होती है। जबकि आधुनिक दुनिया की तमाम बड़ी इमारतों को कुछ दशकों में मरम्मत की जरूरत पड़ने लगती है। वे कुछ शताब्दियों से ज्यादा नहीं चल पातीं। रोमन साम्राज्य के इंजीनियर कंक्रीट को पानी के साथ मिलाकर पेस्ट बनाते थे। इसके लिए वे उच्च रिजॉल्यूशन मल्टीस्केल इमेजिंग और रासायनिक मानचित्रण तकनीकों का उपयोग करते थे। इस प्रक्रिया को स्लेकिंग कहते हैं।

जम्मू में श्री विश्वकर्मा प्रकट दिवस के अवसर पर श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी, न्यू प्लाट में एक मिलन समारोह आयोजित हुआ, जिसमें आरती और लड्डू प्रसाद वितरण के साथ तेरशा गांव की निवासी कमला देवी ने लाइब्रेरी को दो फुट ऊंची पीतल की एक ज्योति दान की।

असम विश्वकर्मा समाज की ओर से गुवाहाटी के बेलतला बारसोई में श्री विश्वकर्मा जयंती वार्षिक महोत्सव का आयोजन किया गया। सुबह 10 बजे पूजा हवन के बाद भजन संध्या, विचार गोष्ठी, विश्वकर्मा समाज मिलन, प्रसाद वितरण आदि विविध कार्यक्रम रात 10 बजे तक चलता रहा।

कारपेंटर्स न्यूज़

RNI NO. MAHHIN/2005/16460

संपर्क करें : Mo. 9320566633 | Email: carpentersnews@gmail.com

हमें फॉलो करें : Facebook.com/carpentersnews | Telegram: https://t.me/carpenters_news

मुंबई | फरवरी 2023 | वर्ष : 18 | अंक : 03 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

तीन वर्ष में 1.12 लाख मजदूरों ने की खुदकुशी

केंद्रीय श्रम मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि 2019-21 तक कुल 1.12 लाख दिहाड़ी मजदूरों ने आत्महत्या की। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के हवाले से उन्होंने कहा कि इस अवधि के दौरान 66,912 गृहिणी, 53,661 स्व-नियोजित व्यक्ति, 43,420 वेतन भोगी और 43,385 बेरोजगारों ने भी आत्महत्या की।

कारीगरों-शिल्पकारों के लिए विश्वकर्मा सम्मान

गंगाराम विश्वकर्मा
carpentersnews.com

मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2022 -23 के आम बजट में जीडीपी की रीढ़ कहे जाने वाले सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को कई सौगातें दी है। पहली बार औजार के सहारे काम करने वाले पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों के लिए पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना लाई गई है। यह योजना उन्हें अपने उत्पादों की गुणवत्ता, विस्तार और पहुंच में सुधार लाने के साथ एमएसएमई वैल्यू चेन से जुड़ने में सक्षम बनाएगी। इस योजना के तहत न केवल वित्तीय समर्थन, बल्कि उन्नत कौशल प्रशिक्षण, आधुनिक डिजिटल तकनीकों की जानकारी और वैश्विक बाजारों के साथ संयोजन भी शामिल होगा। इस योजना का लाभ 145 जातियों को होगा।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए बड़े शहरों में यूनिटी मॉल शुरू किए जाएंगे। जहां एक जिला-एक उत्पाद, जीआई उत्पाद और हस्तशिल्प उत्पादों को बेचा जाएगा। ये मॉल केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से मिलकर बनेंगे। देश में 6.30 करोड़ सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को प्रोत्साहन देने के लिए एक अप्रैल से संशोधित क्रेडिट गारंटी योजना का ऐलान किया है। इसके कोष में करीब 9,000 करोड़ रुपये अतिरिक्त आवंटित किए हैं। योजना से क्रेडिट की लागत में एक फीसदी की कमी आने की उम्मीद है। साथ ही, एमएसएमई को दो लाख करोड़ की मुक्त क्रेडिट गारंटी का लाभ मिलेगा।

इन जातियां को मिलेगा योजना का लाभ

विश्वकर्मा, लोहार, बढ़ई, राना, शिल्पी, ताम्रकार, कवार, शर्मा, कंसाला रावत, कंसन, रायकर, कंशाली, सागर, करगधरा, साहू, स्वर्णकार, सोनी, सोनार, कमांकर, सरवरिया, कॉलर, कॉलर पॉकोलर, केसर, कुलाचर, सिन्हा, कुलारिया, सौहागर, सोनगरा, लौता, महुलिया, सुथार, मैथिल, मालवीय, ठाकुर, मलिक, राधिया, राम, पल्लीवाल, मधुकर कंसाली, चेडियन, कांचरी, चिक्कमने, कंचुगारा, विषेगारा, कनालन, चोल, कालर, (पीतल का काम करने वाला), दाम, अचारी, देवगन, आचार्य, चैन्नर, धीमान, ढोले, एक्कासले, अकांसल्ली, गजर, असारी, गीड, असारी ओड्डी, गजिगर, असला, गिबेगरा, औसुल, माशूक, बपेल, गुर्जर, बदिगर, जंगर, बग्गा, जांगिड़, बैलापाथारा, कलसी, बैलुकम्मारा, कमार, भादिवाडला, कंवारा, भारद्वाज, कम्मालन, विधानी, कमलार, कमलार, बोगारा, कम्मारा, बोस, कम्मारी, बह्मलु, कम्मियार आदि जातियों को इसका लाभ मिलेगा।

राहत भरे कई कदम

- एमएसएमई को समय पर भुगतान की प्राप्ति में सहायता करने के लिए खर्चों के लिए कटौती का प्रस्ताव है, जिनका भुगतान वास्तविक रूप में कर दिया गया है।
- 30 लाख तक की आय वाले आंत्रप्रेन्योर को भी ये राहत दी गई है। पहले ये छूट उद्यमों के लिए 2 करोड़ और एंटरप्रेन्योर के लिए 15 लाख रुपए ही थी।
- बड़े उद्योग अगर किसी छोटे-मझोले उद्यम से वस्तु या सेवा लेते हैं तो उसका भुगतान उन्हें अपने सालाना रिटर्न फाइल करने से पहले करना पड़ेगा, अन्यथा उस खर्च का वोडिडक्शन क्लेम नहीं कर पाएंगे।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग

- देश की जीडीपी में 35 फीसदी योगदान लघु और मध्यम उद्यमों का है।
- सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) क्षेत्र 11करोड़ लोगों को रोजगार देता है।
- छोटे व मझोले उद्योगों की संख्या 06 करोड़ से ज्यादा है।

करोड़ों विश्वकर्मा देश के निर्माता - पीएम मोदी

अमृत काल के पहले बजट ने विकसित भारत की आकांक्षाओं और संकल्पों को पूरा करने के लिए मजबूत नींव का निर्माण किया है। यह बजट वंचितों को वरीयता देता है। गरीबों, गांवों व मध्य वर्ग के सपनों को साकार करने का प्रयास करता है। हमारे देश के पारंपरिक कारीगर बढ़ई, लोहार, सुनार, कुम्हार, मूर्तिकार और कई अन्य शिल्प को जानने वाले राष्ट्र निर्माता हैं। पहली बार देश इन लोगों की कड़ी मेहनत व सृजन के सम्मान स्वरूप कई योजनाएं लेकर आया है। पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान यानी पीएम विकास ऐसे करोड़ों विश्वकर्माओं के जीवन में बड़ा बदलाव लाएगा। यह बजट सहकारी समितियों को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास की धुरी बनाएगा।

विश्वकर्मा योजना से कारीगरों की 145 जातियों पर नजर

मोदी सरकार ने एक बड़ी सोशल इंजीनियरिंग की तैयारी की है। बजट में घोषित प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना का फायदा देश की करीब 145 जातियों के लोग उठा सकेंगे। भाजपा कारीगरी जैसे पैतृक व्यवसाय से जुड़े इन परिवारों को ग्रीनफील्ड के तौर पर देख रही है। क्योंकि इनके लिए अभी कोई कॉमन प्लेटफॉर्म नहीं है। जिन जातियों को योजना का हिस्सा बनाया गया है, वे उत्तर भारत में पिछड़ी जातियां हैं। इन 145 जातियों में 60 जातियों का संख्या बल उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और गुजरात की दर्जनों सीटों पर ज्यादा है। उत्तर प्रदेश के 80 संसदीय क्षेत्रों में सपा और बसपा के कोर वोट के साथ इन जातियों का जुड़ाव नहीं है। 2014 की मोदी लहर में उत्तर प्रदेश में इन जातियों की अहम भूमिका रही है। इसलिए भाजपा इन वोटों को स्थायी रूप से अपने साथ जोड़ने के लिए विशेष योजना लाई है।

योजना में शामिल पैतृक व्यवसाय

एमएसएमआई श्रृंखला से जुड़ेंगे सरकार कारीगरों और शिल्पकारों को आर्थिक मदद देगी। इन्हें एमसएमई श्रृंखला से जोड़ा जाएगा। जिन लोगों के पास पर्याप्त पूंजी नहीं है, उन्हें बिना गारंटी सस्ता लोन मिलेगा। कारीगरी और शिल्पकारों को ट्रेनिंग भी दी जाएगी। इसके जरिए स्वरोजगार बढ़ाने की योजना है। फर्नीचर, वुडवर्क, एंटीक आइटम बनाने वाले, टोकरी, सेरामिक्स, ब्लॉक मेकिंग, एम्ब्रायडरी, रंगाई, ब्लॉक प्रिंटिंग साज, डेकोरेटिव पेंटिंग, ग्लास वर्क, फैब्रिक, उपहार, होम डेकोर, जेवर, लेदर क्राफ्ट, मेटल क्राफ्ट, पेपर क्राफ्ट, पॉटरी, कठपुतली, स्टोन वर्क, आदि पैतृक व्यवसाय को इस योजना में शामिल किया गया है।

निखिल एडहेसिवस लिमिटेड

उत्पाद गुणवत्ता व कारीगरों भाइयों के विश्वास के बलबूते नए शिखर पर

भारतीय फर्नीचर इंडस्ट्री में निखिल एडहेसिवस लिमिटेड अपने गुणवत्ता, प्रामाणिकता व टिकाऊपन के कारण सफलता के नए शिखर पर है। महाकोल एडहेसिव की एक विस्तृत श्रृंखला बाजार में उपलब्ध है। निखिल एडहेसिव लिमिटेड के लोकप्रिय उत्पाद महाकोल जलवीर, महाकोल हिट फीट, महाकोल पी वी स्टिक, महाकोल माइका स्पेशल, महाकोल पीवीसी ग्लू, महाकोल महा क्विक अपनी विशेषताओं के कारण एडहेसिवस की दुनिया में तेजी से लोकप्रियता हासिल कर रहा है। निखिल एडहेसिवस लिमिटेड बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध बहु-उत्पाद कंपनी है जो विभिन्न प्रकार के पॉलिमर इमल्शन का निर्माण, बिक्री और निर्यात करती है जिसका विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए उपयोग किया जाता है। निखिल एडहेसिवस लिमिटेड 1986 से इस व्यवसाय में है और इसकी पांच विनिर्माण इकाइयां दहानू (महाराष्ट्र), सिलवासा (दादरा नगर हवेली), दहेज (गुजरात), तुमकुर (कर्नाटक) और मेहतपुर (हिमाचल प्रदेश) में स्थित हैं। वर्तमान उत्पादन क्षमता 150,000 टन प्रति वर्ष है। जिसे डिमांड के आधार पर बढ़ाया जा रहा है।

निखिल एडहेसिवस लिमिटेड ने वर्ष 2003 में मफतलाल डाईज एंड केमिकल्स लिमिटेड के महाकोल, एमडिटेक्स, एमडिलिथ, एम्डीबिंड, एमडिक्रिल और अन्य ब्रांडों का अधिग्रहण किया। निखिल एडहेसिवस लिमिटेड इन सभी ब्रांडों का एकमात्र मालिक है, जिसे उद्योग द्वारा अच्छी तरह से स्वीकार किया गया है। निखिल एडहेसिवस लिमिटेड एक आईएसओ 9001:2015 प्रमाणित कंपनी है। इसके उत्पाद पेंट्स, पैकेजिंग, फर्नीचर, कपड़ा, निर्माण और कई अन्य उद्योगों में उपयोग किए जाते हैं। निखिल एडहेसिवस लिमिटेड के पास विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए उत्पादों को विकसित करने के लिए एक अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशाला है। कंपनी अपने ग्राहकों के लिए सस्ती कीमतों पर गुणवत्ता वाले उत्पादों के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी विभिन्न उद्योगों की लगातार बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए, अपने उत्पादों को लगातार उन्नत करने और नए उत्पादों को पेश करने में विश्वास करती है।

निखिल एडहेसिवस लिमिटेड का एक अच्छा मार्केटिंग नेटवर्क है और एक अच्छी तरह से स्थापित व्यवसाय इकाई होने के अलावा दीर्घकालिक व्यापार संघ को विकसित करने और बनाए रखने में विश्वास करती है। न केवल स्थानीय बाजार में बल्कि निर्यात में भी प्रतिक्रिया बहुत उत्साहजनक रही है और उत्पादों को कई देशों में अच्छी तरह से स्वीकार किया गया है। कंपनी वर्तमान में एशिया, अफ्रीका और मध्य पूर्व के देशों में अपने उत्पादों का निर्यात कर रही है।

निखिल एडहेसिवस लिमिटेड पॉलिमर इमल्शन के निर्माण के अलावा थोक कच्चे माल की मांग और विपणन के व्यवसाय में भी है। कंपनी अन्य क्षेत्रों में भी अपनी गतिविधियों का विविधीकरण और विस्तार कर रही है, जो सभी निखिल एडहेसिवस लिमिटेड की छत्रछाया में कंपनी के व्यावसायिक उद्देश्यों को मजबूती देगी।

हम फर्नीचर कारीगरों की समृद्धि और आय में बढ़ोत्तरी के लिए इनोवेशन करते रहते हैं और यह दृष्टिकोण हमारे दिलों में गहराई तक अंकित है।

– निखिल सांघवी
प्रेसिडेंट कंज्यूमर डिवीजन

कारपेंटर भाईयों के साथ विश्वास का रिश्ता

महाकोल जर्मन टेक्नोलॉजी आधारित एडहेसिवस है। महाकोल के उत्पाद की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता।

इसलिए उत्पाद की हर पहलू की बारीकी से जांच होती है। समय के साथ महाकोल एडहेसिवस को अपग्रेड के साथ इसकी टेक्निकल टेस्टिंग महत्वपूर्ण है। महाकोल एडहेसिवस वैल्यू फॉर मनी देता है। महाकोल एडहेसिवस का कवरेज क्षेत्र ज्यादा है, इसलिए कारपेंटर भाइयों में इस उत्पाद के प्रति विश्वसनीयता बढ़ी है।

महाकोल अपनी गुणवत्ता की वजह से मार्केट कैप्चर कर रहा है। हमारे पास 45 उत्पादों की पूरी रेंज है। 150 सेल्स स्टॉफ, 10 हजार डीलर और 18 डिपो के साथ महाकोल देश के हर शहर व कस्बे में पहुंच रहा है। कंपनी से सीधे तौर पर 50 हजार से अधिक कारपेंटर/कॉन्ट्रेक्टर जुड़े हुए हैं। समय समय पर कारपेंटर सम्मेलन का आयोजन किया जाता है, जिसमें महाकोल उत्पादों की जानकारी दी जाती है। कारपेंटर भाईयों के लिए विविध कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते हैं। हम कारपेंटर भाईयों के साथ सिर्फ व्यवसायिक रिश्ता नहीं बल्कि विश्वास का रिश्ता बनाना चाहते हैं। हमने क्रिकेट स्टेडियम में अपना बिग टाइम ब्रांडिंग किया है। इस भारत ऑस्ट्रेलिया टेस्ट मैच का आनंद लेते हुए महाकोल बैनर देखें।

– उदित खत्री
वाइस प्रेसिडेंट वेस्ट और
साउथ कंज्यूमर डिवीजन

NIKHIL
Mahacol®
The Right Adhesive
महाकोल
हीटफिट
महाकोल
जलवीर
सर्वश्रेष्ठ हीट प्रूफ एडहेसिव
वॉटर प्रूफ एडहेसिव
Rs.15
TOKEN
PER POUCH
Mahacol®
HEATFIT
HEAT PROOF ADHESIVE
Perfect for Verticle Lamination
5 MINS Setting Time
Mahacol®
jalveer
Coverage: 48 – 53 sq. ft / kg

Since 1986
Suzu®
An ISO 9001:2015 Certified Company | CE Certified

36 Growing Years
INDIA'S 1ST STAINLESS STEEL SHACKLE Padlocks ...Series...
INDIA'S 1ST S.S HINGES MANUFACTURER Hinges ...Series...

FROM THE DESK OF CEO

Suzu Steel (India) is one of the leading Companies of India who pioneered in manufacturing of Locks & Door hardware Fittings. Suzu brand was established in 1986 under the guidance of Mr. Sushil Bansal and Mr. Brijbhushan Bansal from Rohtak (Haryana). The company has made tremendous progress in terms of adding manufacturing plants as well as penetrating market all over India. We are proud to see that Mr. Animesh Bansal, Director & Mr. Sachin Bansal, Director both are very progressive and positive about the future of SUZU brand in India. Their guiding force during last few years, company has developed more than 400 direct distributors and wholesalers catering to every corner of India and more than 20000 retailers where SUZU is providing quality products services. We are doing well into the Government , Builders & institutions sectors. During last 3-4 years company has expanded in various ranges in exports all over the world.

SUZU means Quality and appreciated in trade, Institutionals, Government Departments & International Client. We are continuously improving our Quality, Services and multiplying our network worldwide. We are aiming to give our presence within Top 4 Hardware brands of India in next 5 years time. We sincerely thank all our clients, trade partners & consumers for patronizing SUZU brands for their needs of locks & door hardware items.

Success Mantra

"Our entire Sales & Backup support team believe giving best quality & services to achieve consumer satisfaction" which is our success mantra.

Vijay Kumar Dutta
C.E.O.

~ Our Global Associates ~
DUBAI | GERMANY | U.K. | NEPAL | BANGLADESH | BHUTAN | SRI LANKA | NIGERIA | KENYA | TANZANIA

www.suzusteel.com | www.suzu.in

Find us on :

उत्तर प्रदेश : विश्व निर्माण हब बनने को तैयार

उत्तर प्रदेश मैन्युफैक्चरिंग में पिछड़ा राज्य था, लेकिन अब वह भारत ही नहीं विश्व का मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की राह पर निकल पड़ा है। नई यूनिट लगाने पर निवेशक को सिर्फ टैक्स का फायदा नहीं मिलेगा, उसे उसकी पूंजीगत लागत के लिए लिए गए ऋण पर 5 फीसदी ब्याज दर में छूट मिलेगी। नई यूनिट पर स्टाम्प ड्यूटी क्षेत्रवार 50 से 100 फीसदी तक माफ कर दी गई है। बिजली की ड्यूटी, पीएफ, मंडी शुल्क में भी छूट है। MSME को कई रियायतें दी गई है। सरकार ने पूरे यूपी में सड़कों और एयरपोर्ट का जाल बिछा दिया है। जगह जगह लॉजिस्टिक पार्क बन रहे हैं। सरकार ने सभी नीतियों की समीक्षा कर उसे समयानुकूल और उद्योगों के जरुरत और वैश्विक प्रचलन के हिसाब से उसे उसी अनुकूल किया है।

एक समय में बीमारू राज्य और लैंड लॉक स्टेट के रूप में प्रसिद्ध उत्तर प्रदेश मौजूदा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अपना लॉक तोड़ बीमारू राज्य का तमगा छोड़ दुनिया में वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब की राह पर निकल पड़ा है। आज उत्तर प्रदेश की पहचान निर्भय निवेश सक्षम प्रदेश उत्तर प्रदेश के रूप में हो रही है। केंद्र में मोदी सरकार की आर्थिक नीतियां, दुनिया के स्तर पर सबसे आकर्षक टैक्स दर और एकरूप जीएसटी, आत्मनिर्भर भारत अभियान और साथ में दुनिया भर से निवेशकों को उत्तर प्रदेश को बुलाने में लगे योगी आदित्यनाथ की मेहनत यह सब मिलाकर उत्तर प्रदेश को दुनिया के स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की रूप रेखा रच रहीं है। भारत के हृदय स्थल में स्थित उत्तर प्रदेश के मैन्युफैक्चरिंग हब बनने से भारत के तमाम प्रदेशों को भी इससे लाभांवित होने का अवसर है। क्योंकि सप्लाई चेन के माध्यम से पूरा देश एक दूसरे से जुड़ा होगा। उत्तर प्रदेश में निर्मित वस्तुएं अन्य प्रदेशों के व्यापारियों को व्यापार करने का अवसर प्रदान करेगी।

पिछले यूपी इन्वेस्टर समिट की सफलता से उत्साहित होकर इस बार मुख्यमंत्री ने यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का आयोजन रखा है। विदेशी निवेशकों को आमंत्रित करने के लिए मुख्यमंत्री ने विश्व के कई देशों में मंत्रियों और अधिकारियों को व्यक्तिगत स्तर पर भेजा। प्रत्येक निवेश प्रस्ताव को संभव बनाने के लिए ऑनलाइन ट्रैकिंग की व्यवस्था लाई। प्रत्येक निवेश प्रस्ताव के लिए एक समर्पित निवेश सारथी की व्यवस्था हुई है। यह निवेश सारथी ठीक उसी तरह से काम करेगा जैसे किसी कॉर्पोरेट में अकाउंट मैनेजर काम करता है। एक एक निवेश प्रस्ताव को संभव बनाने के लिए वह हर काम में निवेशकों की सहायता करेगा ताकि उनके निवेश की सुगमता में कोई बाधा नहीं आये। प्रत्येक निवेश प्रस्ताव की समीक्षा और निवेशकों के साथ बातचीत और समझने के बाद ही निवेश प्रस्ताव को सरकार के द्वारा दस्तखत के लिए आगे बढ़ाया जा रहा है। यह सारी कवायद बताती है कि जो भी निवेश प्रस्ताव आयेंगे उसके शत प्रतिशत क्रियान्वयन को लेकर सरकार कितना गंभीर है। प्रत्येक निवेश प्रस्ताव को ऑनलाइन सब्सिडी से भी जोड़ा गया है ताकि कोई सब्सिडी किसी की छूट ना जाये। प्रत्येक MOU की निगरानी आईएएस और आईपीएस स्तर के अधिकारी के साथ साथ मुख्यमंत्री स्वयं कर रहे हैं।

इस यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का लक्ष्य सरकार ने यूपी की एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए दस लाख करोड़ निर्धारित किये थे। इसका आधा तो मुख्यमंत्री को मुंबई रोड शो से ही मिल गया, जहां वह व्यक्तिगत रूप से स्वयं उपस्थित रहे। मुंबई में मुख्यमंत्री देश के उद्योगपतियों के साथ साथ उत्तर प्रदेश के प्रवासियों से भी अलग से मिले जिन्होंने अपने श्रम और कौशल से महाराष्ट्र के उद्योग जगत में पहचान बनाई है। अभी तक जो रिपोर्ट आई है उसके मुताबिक दस लाख करोड़ से ऊपर के निवेश प्रस्ताव आ चुके हैं, जबकि पिछले समिट में 4.68 लाख करोड़ के प्रस्ताव आये थे।

इस बार सरकार ने सभी जिलों में भी रोड शो का आयोजन रखा है और इससे जिला प्रशासन के साथ साथ जनप्रतिनिधियों को भी जोड़ा गया है। इस मुहिम ने उन सभी उद्यमियों को भी जगा दिया है जिनके अंदर कुछ उद्यम करने की भावना थी। एक उदाहरण बताता हूं, बस्ती जिले के कस्बे के एक निवेशक शिव प्रसाद जायसवाल ने 15 करोड़ के निवेश प्रस्ताव दिये। उन्होंने बातचीत के दौरान बताया कि सोच तो कई दिनों से रहा था कि जिस चीज का व्यापार करता हूं उसका एक कारखाना लगा लूं। सरकार के इस तरह सामने से आकर बोलने से मेरे अंदर जो दबी हुई इच्छा थी वह प्रबल रूप से सामने आ गई। यह तो एक कस्बे की कहानी है। अगर हर जिले में छोटे बड़े 100 उद्यमी भी ऐसे ही जाग गए तो 7500 यूनिट तो सिर्फ एक बार पूछने से ही लग जायेगी। सरकार का यह प्रयास प्रदेश के अंदर और बाहर दोनों तरफ से उद्यमशीलता को जगा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस सफलता में मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों का भी बड़ा लाभ मिल रहा है। नए मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के लिए भारत में आयकर काफी आकर्षक हो गया है। FYST से भी टैक्स की परिभाषाओं को समझने की जो सहूलियतें मिली और फेसलेस स्क्रूटिनी और विवाद निपटान तंत्र की जो घोषणा हुई उसका सभी ने स्वागत किया। आज नई घरेलू मैन्युफैक्चरिंग कंपनी यदि कोई प्रोत्साहन या छूट नहीं ले रही है तो वह 15 फीसदी कॉरपोरेट टैक्स रेट के हिसाब से टैक्स दे सकती है। सभी सरचार्ज और सेस लगाने के बाद नई मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के लिए टैक्स की प्रभावी दर 17.01 फीसदी हो जाएगी। अभी चीन में कॉरपोरेट टैक्स की मानक दर 25 फीसदी है। यदि कोई कॉर्पोरेट चीन की सरकार द्वारा प्रोत्साहन के लिए चिन्हित क्षेत्रों में कारोबार करता है तो उसके लिए कॉरपोरेट टैक्स की दर घटाकर 15 फीसदी की जा सकती है, लेकिन यह भारत की तुलना में काफी प्रतिबंधित है। कॉरपोरेट टैक्स की दर घटने से अमेरीकी कारोबारियों ने भी इसका स्वागत किया है। ज्ञातव्य हो कि अमेरिका भारत के सबसे बड़े एफडीआई निवेशकों में शामिल है।

वैश्विक स्तर पर अगर देखेंगे तो जो शीर्ष के 10 मैन्युफैक्चरिंग देश हैं उनके यहां भी जो कर की प्रभावी दर है निर्माण कारखानों पर, वह भारत से ज्यादे हो गई है। नये मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के संदर्भ में चीन, यूके, कोरिया, इटली, जापान, फ्रांस आदि देशों के आयकर अब भारत के नए प्रभावी आयकर से ज्यादे हो गए हैं। टैक्स की दर के हिसाब से सिंगापुर को टैक्स फ्रेंडली देश माना जाता है, अब भारत की नई निर्माण यूनिट पर लगने वाली दर और सिंगापुर की दर समान हो गई है। ऐसी दशा में जो वैश्विक निवेशक हैं उनके लिए भारत अब नए ट्रेंड के रूप में सामने आएगा, क्योंकि यहां सुविधा, सस्ता श्रम, ब्रेन के साथ बाजार भी है। विदेशी निवेशक भी अब इस दस्तक को महसूस कर रहे हैं।

इन सब सुखद संयोगों के बीच यह सुखद संयोग ही है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी टीम ने इसमें लीड ले ली है। उत्तर प्रदेश जो पहले मैन्युफैक्चरिंग में पिछड़ा राज्य था, वह भारत ही नहीं विश्व का मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की राह पर निकल पड़ा है। नई यूनिट लगाने पर उसे सिर्फ इसी टैक्स का फायदा नहीं मिलेगा उसे उसकी पूंजीगत लागत के लिए लिए गए ऋण पर 5 फीसदी ब्याज दर में छूट मिलेगी। सरकार नए यूनिट के ऐसे जीएसटी इनपुट क्रेडिट को भी रिफंड कर रहीं है, जिसे निवेशक नियमों के तहत प्राप्त नहीं कर पाता है। हॉलिडे अवधि तक निवेशक शुद्ध स्टेट GST का भी रिफंड प्राप्त करेगा। नई यूनिट पर स्टाम्प ड्यूटी क्षेत्रवार 50 से 100 फीसदी तक माफ़ कर दी गई है। बिजली की ड्यूटी, पीएफ, मंडी शुल्क में भी छूट है। सबसे अधिक MSME वाले राज्य में MSME को कई रियायतें दी गई है। घटे हुए आयकर के साथ नए उद्योग सरकार की नियमों के तहत अपने निवेश में अच्छा खासा छूट प्राप्त कर सकते हैं। यह सारी परिस्थितियां मिलकर भारत और भारत में खासकर यूपी का भविष्य उज्जवल कर सकती हैं। डिफेंस कॉरिडोर भी यूपी में मील का पत्थर साबित होने जा रहा है।

इन सब चीजों को संभव बनाने के लिए सरकार ने पूरे यूपी में सड़कों और एयरपोर्ट का जाल बिछा दिया है। जगह जगह लॉजिस्टिक पार्क बन रहें हैं। सरकार ने सभी नीतियों की समीक्षा कर उसे समयानुकूल और उद्योगों के जरुरत और वैश्विक प्रचलन के हिसाब से उसे उसी अनुकूल किया है। निवेश मित्र नाम की सिंगल विंडो सिस्टम लाया गया है ताकि निवेश सुगम हो सके। साथ में मोदी सरकार ने भी राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति लागू कर दिया है, जिसका मुख्य मकसद देशभर में बिना किसी अवरोध के वस्तुओं के परिवहन को बढ़ावा देना और कारोबारियों के लिए माल परिवहन पर होने वाले खर्च को कम करना है। इस प्रकार केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार का एक सुर में विकास के लिए यह कदम ताल और उसमें से वैश्विक परिस्थितियां जिसमें कोरोना के बाद कंपनियां चीन छोड़ भाग रही हैं, तो यूक्रेन युद्ध से दुनिया में अनाज की मांग बढ़ी है, यूपी को विश्व निर्माण हब बनने में सहायता पहुंचा रही हैं।

– पी. जायसवाल

(लेखक अर्थशास्त्र के वरिष्ठ लेखक हैं।)

हरीसन सुविधा स्कीम

HARRISON

कारपेंटर

भाइयो के लिए
आकर्षक स्कीम आज ही
रजिस्टर्ड
करें और पाएं मौका अनेको
उपहार
जितने का

टोल फ्री नम्बर : 1-800-572-5795 Website: www.harrisonlocks.com | Find us on :

नॉट:- ऊपर दर्शायी गई फोटो सिर्फ उपहार को दर्शाने हेतु है मिलने वाला उपहार इनमे से भिन्न हो सकता है : रंग मॉडल इत्यादि।

बनो हरीसन का
Mr. आनंद
और रहो हमेशा आनंद में

जब फायदे से हो प्यार तो फिर क्यों इंतज़ार
आज ही जुड़ें हरीसन Suvidha Locks & Hardware Solutions के साथ और
पाओ अनेको उपहार

उपहार जितने की प्रक्रिया

स्टेप 1 हरीसन सुविधा एप्प डाउनलोड करें और लॉग इन करें

स्टेप 2 प्रोडक्ट पर लगे MPR स्टीकर को जमा करें हर एक MPR पर पॉइंट पाएं

स्टेप 3 निर्धारित पॉइंट्स जमा होने पर, उपहार जीते

चेयरमैन क्लब कारपेंटर

SMART LED TV WINNER

REFRIGERATOR WINNER

SMART PHONE WINNER

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
+91 9355015108

हरीसन सुविधा एप्प डाऊनलोड करने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

हरीसन का Mr. आनंद मुख्य सेवा प्रदाता (Service Provider)

Mr. आनंद बनते ही पाएं अपने क्षेत्र के सारे कारपेंटर सम्बंधित कार्य सबसे पहले

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-
www.harrisonlocks.com | email : Info@harrisonlocks.com
9355-015-108

R | P | Locks Company
Harrison House 13 & 14, Central Market, Punjabi Bagh (West), New Delhi-110026
E-mail: info@harrisonlocks.com / enquiry@harrisonlocks.com
Call 09310142401 for All India sale, Distributors & C&F Queries for institutional, Architects & Bulk Buyers Enquires

स्कैन करें
लाभ उठाएं।

हरीसन

D_SG/ Print/ 01.01.2023 www.harrisonlocks.com NEWS_OF_DEC_2022

हरीसन कर रहा है लगातार बड़े पैमाने पर कारपेंटर सम्मेलन एवम प्रशिक्षण

कारपेंटर एप्लिकेशन हमारे द्वारा नए आवेदकों के पंजीकरण के लिए शुरू किया गया है - कारपेंटर और उनकी हर गतिविधि की रिकॉर्डिंग फल देने वाली है। कारपेंटर की हमारी टीम कई गुना बढ़ गई है। बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं और ऐप के माध्यम से रिकॉर्ड में रखी जाती हैं।

कारपेंटर के लिए विभिन्न प्रकार के प्रोत्साहन उपलब्ध हैं,

जिन्हें एप्लिकेशन के माध्यम से प्रकाशित और वितरित किया जाता है। प्रत्येक बैठक के दौरान

सर्वोत्तम योगदानकर्ताओं को कुछ प्रकार के प्रोत्साहन वितरित किए जाते हैं, जो योजना के अनुसार नकद से लेकर टीवी, रेफ्रिजरेटर आदि और कई अन्य

हैं। कारपेंटर का प्रचार/ विज्ञापन कारपेंटर के मासिक समाचार पत्र में मासिक आधार पर प्रकाशित किया जाता है, जो हर महीने की 10 तारीख को प्रकाशित होता है- और अन्य शहरों के अलावा दिल्ली में भी प्रसारित होता है। कृपया प्ले स्टोर पर उपलब्ध हमारे हरीसन सुविधा ऐप पर जाएं। बड़ी संख्या में कारपेंटरों ने हमारी हरीसन सुविधा योजना का लाभ उठाया है और **मोटर-साइकिल, टीवी/ फ्रिज/ वॉशिंग मशीन, एलईडी टीवी, स्मार्ट फोन सहित विभिन्न पुरस्कार जीते हैं, इसके अलावा 50,000 तक के नकद पुरस्कार भी जीते हैं।** हम अपने विभिन्न केंद्रों पर कौशल-विकास प्रशिक्षण भी प्रदान कर रहे हैं, जिसमें **5- सितारा होटल, प्रदर्शनी हॉल,** वितरक के शो रूम और थोक विक्रेताओं/ डीलरों के स्थान शामिल हैं। कारपेंटर बड़ी संख्या में लाभान्वित हो रहे हैं और अत्यधिक पैमाने पर कौशल हासिल कर रहे हैं जिसके बारे में सोचा नहीं गया था। कारपेंटर का काम करने के इच्छुक अकुशल व्यक्ति भी हमारे अपने खर्चे पर कुशल हैं, यदि ऐसे व्यक्ति हमसे जुड़ना चाहते हैं।

उत्तराखंड खटीमा में हुआ कारपेंटर सम्मेलन :-

हरीसन ने 31 दिसंबर 2022 को खटीमा में कारपेंटर सम्मेलन का आयोजन किया। हरीसन ने इस शुभ अवसर पर निम्नलिखित कारपेंटर को पुरस्कार वितरण कर कारपेंटरों का उत्साह बढाया।

1 अजीज खान - 4k रियलमी

एलईडी टीवी - 43 इंच - कीमत 25,000/- 2022 की 12 महीने की अवधि के लिए कारपेंटर कूपन को जमा कर जीता।

2 उस्मान - कीमत 17,500/- का सैमसंग रेफ्रिजरेटर। 2022 की 12 महीने की अवधि के लिए कारपेंटर कूपन को जमा कर जीता।

3 रजनीश - व्हर्लपूल वॉशिंग मशीन की कीमत 14500/- से श. 2022 की 12 महीने की अवधि के लिए कारपेंटर कूपन को जमा कर जीता।

4 नईम - 9000/- का सैमसंग स्मार्ट फोन। 2022 की 12 महीने की अवधि के लिए कारपेंटर कूपन को जमा कर जीता।

5 सुनील कुमार - 2022 की 12 महीने की अवधि के लिए कारपेंटर कूपन को जमा कर जीता। 3100 / - का नकद पुरस्कार।

6 इकबाल अंसारी- 2100/- का नकद पुरस्कार। 2022 की 12 महीने की अवधि के लिए कारपेंटर कूपन को जमा कर जीता ।

7 प्रदीप 1100/- का नकद पुरस्कार। 2022 की 12 महीने की अवधि के लिए कारपेंटर कूपन को जमा कर जीता।

कारपेंटर का काम करने के इच्छुक 128 अकुशल कारीगर को बुनियादी गतिविधियों का प्रशिक्षण देकर अपने खर्चे पर कुशल भी बनाया गया। हरीसन फर्नीचर उद्योग और अन्य सहायक उद्योगों के लिए प्रशिक्षित कारपेंटर की उपलब्धता बढ़ाने के लिए सामाजिक सेवा कर रहा है- हरीसन सुविधा ऐप प्ले स्टोर पर उपलब्ध है जिसमें हरीसन में दिन-प्रतिदिन बढ़ई से संबंधित गतिविधियों का हर समय का विवरण है। क्योंकि कारपेंटरों को दिए जा रहे विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दर्ज किए जाते हैं। कारपेंटर सम्मेलन भी नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं और आवेदन में दर्ज की जाती हैं। अभी तक लगभग 51,000 कारपेंटर वर्तमान में हरीसन के साथ जुड़कर कुशल हो चुकें हैं।

कारपेंटरों ने लॉन्च की हरीसन मेन डोर लॉक

अलीगढ। हरीसन लॉक्स के नए मेन डोर लॉक की लॉन्चिंग कारपेंटरों के द्वारा की गई।

30 दिसम्बर को अलीगढ स्थित एक होटल में हरीसन ***"में हूँ मिस्टर आनंद स्कीम"*** की मीटिंग में उपस्थित फर्नीचर ठेकेदारों के बीच इस नए मेन डोर लॉक की लॉन्चिंग की गई। पहले में भी हरीसन लॉक्स के कई उत्पादों की लॉन्चिंग कारपेंटरों के द्वारा की जा चुकी है। हरीसन ***"में हूँ मिस्टर आनंद स्कीम"*** की मीटिंग में शामिल कारपेंटरों में लक्की ड्रा निकाली गई। लक्की ड्रा विजेता जुल्फिकार अहमद को रेफ्रिजरेटर देकर सम्मानित किया गया।

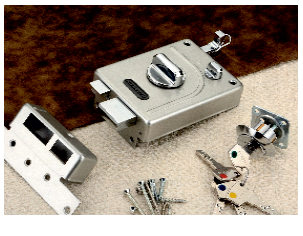

सेफ्टी डिवीज़न में **देश का भरोसेमंद ब्रांड हरीसन** झल्द ही शुरू करने जा रही है कारपेंटर्स के लिए क्यू आर स्कैनिंग फीचर जिसके तहत अब कारपेंटर्स आसानी से जीत सकते है अनेकों उपहार मात्र क्यू आर स्कैन करके | कारपेंटर्स को हरीसन के प्रोडक्ट के पैकिंग के ऊपर लगे क्यू आर को स्कैन करना है स्कैन करते ही पूंजीकृत कारपेंटर्स के प्रोफाइल आई डी पर पॉइंट अपने आप दर्ज हो जाएगा | यह सुविधा हरीसन ने कारपेंटर्स की सहूलियत के लिए किया है जिससे अब कारपेंटर्स को किसी भी प्रकार के प्रोडक्ट के पैकिंग की कट्टिंग रखने की आवश्यकता नहीं होगी | अब कारपेंटर्स मात्र क्यू आर स्कैन करके ही जीत सकते है अनेको उपहार|

हरीसन न्यू लॉन्च प्रोडक्ट

हरीसन लांच कर रही है

नए प्रोडक्ट्स लगातार बार बार नए नए सुधार के साथ

ADVT

धूमधाम से मनाया भगवान विश्वकर्मा का प्राकट्योत्सव

मुंबई। भगवान विश्वकर्मा का प्राकट्य दिवस माघ शुक्ल त्रयोदशी को विभिन्न सामाजिक संस्थाओं की ओर से धूमधाम के साथ मनाया गया। सुबह भगवान विश्वकर्मा के पूजन के साथ शुरू हुआ प्राकट्योत्सव में भजन संध्या, विचार गोष्ठी व भंडारे के साथ समापन हुआ। विश्वकर्मा समिति मुंबई के तत्वाधान में भगवान विश्वकर्मा प्राकट्य दिवस सांताक्रुज कालीना स्थित विश्वकर्मा समिति हाल में भक्ति भाव के साथ मनाया गया। समारोह में बतौर अतिथि संस्था के पूर्व चेयरमैन अधिवक्ता टी. एस. विश्वकर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि सामाजिक संस्थाओं का मूल उद्देश्य समाज हित होना चाहिए।

सामाजिक हित संस्थाओं का हो मूल उद्देश्य हो - टी. एस. विश्वकर्मा
फर्नीचर व्यवसाय में नए तकनीक की जरूरत - रामकुमार धीमान

विश्वकर्मा समिति मुंबई के पूर्व चेयरमैन अधिवक्ता टी. एस. विश्वकर्मा का स्वागत करते हुए राधेश्याम डी. विश्वकर्मा।

यूपी के पूर्व शिक्षा मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा भगवान विश्वकर्मा की पूजा करते हुए।

सामाजिक संस्थाओं को आर्थिक सहायता के रूप में दान देकर विकास कार्यों में सहभागिता की जा सकती है मगर दान स्वरूप दी गई निधि के बदले संस्था को अंगीकार कर लेना सही नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अब विश्वकर्मा समिति को चंदे की नहीं, बल्कि समर्पण और नि स्वार्थ त्याग की जरूरत है। टी. एस. विश्वकर्मा ने कहा कि आने वाली पीढ़ी को हर क्षेत्र में सक्षम बनाने के लिए हमें शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की जरुरत है।

अध्यक्ष राकेश विश्वकर्मा ने कहा कि भवन निर्माता सीमेंट ईंट से चारदीवारी बनाते हैं, लेकिन उस चारदीवारी को घर विश्वकर्मा समाज बनाता है। संस्था की ओर से समारोह में उपस्थित विधायक गीता जैन, पूर्व भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता, भाजपा जिलाध्यक्ष रवि व्यास, पत्रकार अनिल तिवारी, सेवालाल विश्वकर्मा, सुरेश, रामविलास, आद्या प्रसाद, चंद्रकांत, सीए हेमंत शर्मा सहित कई गणमान्यों को सम्मानित किया गया।

विश्वकर्मा मंदिर में की गई। सुबह 10 बजे पूजा के बाद सुंदरकांड व भजन कीर्तन का आयोजन किया गया।

जम्मू में श्री विश्वकर्मा प्रकट दिवस के अवसर पर श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी, न्यू प्लाट में एक मिलन समारोह आयोजित हुआ, जिसमें आरती और लड्डू प्रसाद वितरण के साथ तेरशा गांव की निवासी कमला देवी ने लाइब्रेरी को दो फुट ऊंची पीतल की एक ज्योति दान की। इस कार्यक्रम में राज चलोत्रा, जोगिंदर अंगोत्रा, बलवंत कटारिया, सुमन

बतौर मुख्य अतिथि रामकुमार धीमान ने कहा कि कारीगर भाइयों को फर्नीचर व्यवसाय में निरंतर प्रगति के लिए नए तकनीक के साथ आगे बढ़ना होगा। इस अवसर पर मीडिया प्रभारी ओमपाल धीमान, कमल धीमान, मंगा राम, जसबीर सिंह प्रधान, हरदीप सिंह, सुरजीत, विजेंद्र, सुरेश, संजीव, राजेश, रविंदर आदि ने भी विचार रखे। श्री विश्वकर्मा प्राकट्योत्सव के अवसर पर संस्था की ओर से आयोजित भंडारा में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। मालेगांव में विश्वकर्मा मंडल सुतार लोहार संघ व विश्वकर्मा विराट संघ संस्था की ओर से श्री विश्वकर्मा जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चर्चा सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें वक्ताओं ने अपने विचार रखे। सांगली में विश्वकर्मा पांचाल समाज संस्था की ओर से श्री विश्वकर्मा जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया। कालिका मंदिर में आयोजित समारोह में श्री कालिका देवी महिला मंडल ने भजन गीत प्रस्तुत किया।

संगमनेर में श्री विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर सुतार गली के भगवान विश्वकर्मा मंदिर में प्रबोधन हभप कल्याण महाराज शिंदे ने मौलिक प्रबोधन करते हुए कहा कि ईश्वर सत्य है। हमें सत्य के पक्ष में रहना चाहिए। अच्छे कर्म करें, युवाओं को भी सामाजिक कार्यों में भाग लेना चाहिए। महाराज ने समझाया कि कैसे विज्ञान और अध्यात्म एक दूसरे के पूरक हैं। साहित्यिक प्र. के. अत्रे के हास्य भरे चुटकुले सुनाकर रसिकजन का दिल जीत लिया। नई पीढ़ी को अपनी पारंपरिक कला से अवगत कराने व इस कला को संरक्षित करने के लिए सुतार और लुहारों के पारंपरिक औजारों की प्रदर्शनी लगाई गई। संतोष गोरे व देवीदास गोरे ने औजारों के बारे में जानकारी दी।

यवतमाल जिले के पुसद शहर में स्थित धनकेश्वर संस्थान में भगवान विश्वकर्मा प्राकट्योत्सव बड़े धूमधाम के साथ मनाई गई। प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी विश्वकर्मा समाज के लोगों ने उत्साह के साथ बढ़ चढ़ कर समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर पुसद के विश्वकर्मा मंदिर में शाम के समय हरि रामायण मंडल की ओर से संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन किया गया। मंडल के लोगों ने विश्वकर्मा भगवान के भजन प्रस्तुत कर उनके गुण गौरव का गान किया। सुबह होम, हवन यज्ञ व धार्मिक अनुष्ठान के बाद आरती की गई, दोपहर में विश्वकर्मा भगवान के महाप्रसाद का आयोजन किया गया।

महाराष्ट्र के पूर्व कैबिनेट मंत्री, महाराष्ट्र प्रदेश काँग्रेस कार्याध्यक्ष मो. आरिफ (नसीम) खान ने सभा को संबोधित किया।

कारपेंटर उद्योग व्यापार मंडल की ओर से श्री विश्वकर्मा चौक पर भगवान विश्वकर्मा प्राकट्योत्सव मनाया गया।

पुसद शहर में भगवान विश्वकर्मा प्राकट्योत्सव के अवसर पर संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन किया गया।

इस अवसर विश्वकर्मा वंशज विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। अखंड विश्वकर्मा ब्राह्मण महासभा के संस्थापक अध्यक्ष पं. संतोष आचार्य ने कहा कि विश्वकर्मा समाज में इंजीनियरिंग की विधा जन्म से ही भगवान विश्वकर्मा के आशीर्वाद से मिली है जिसमें कर्म की प्रधानता है। पांच प्रकार के शिल्पकर्मों लौहकार, काष्ठकार, ताम्रकार, मूर्तिकार व स्वर्णकार में निपुण ब्राह्मणों को पंच शिल्पी ब्राह्मण कहा जाता है। इन्हीं पांचाल ब्राह्मणों को संपूर्ण भारतवर्ष में विराट संदर्भ विश्वकर्मा वैदिक ब्राह्मण कहा जाता है।

इस अवसर पर संस्था के पूर्व महामंत्री मोतीलाल विश्वकर्मा, मनपा के वरिष्ठ निरीक्षक अजय विश्वकर्मा, राधेश्याम विश्वकर्मा, लल्लूराम विश्वकर्मा, मेवालाल विश्वकर्मा ने सामाजिक एकता पर विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन गंगाराम विश्वकर्मा ने किया।

श्री विश्वकर्मा फाउंडेशन की ओर से मीरा रोड (पूर्व) स्थित काजल ग्राऊंड में भगवान विश्वकर्मा प्राकट्य दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संस्था के

श्री विश्वकर्मा सेवा समिति की ओर से घाटकोपर (पश्चिम) स्थित परेरा कंपाउंड में श्री विश्वकर्मा प्राकट्योत्सव मनाया गया। समारोह को पूर्व कैबिनेट मंत्री, महाराष्ट्र प्रदेश काँग्रेस कार्याध्यक्ष मो. आरिफ (नसीम) खान ने संबोधित किया। इस अवसर पर समाजसेवी केशव विश्वकर्मा,पप्पू शर्मा, भरत, राधेश्याम, सरजू,ओमप्रकाश, संतराम आदि सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। श्री विश्वकर्मा प्राकट्य उत्सव के उपलक्ष्य में नवजीवन श्री विश्वकर्मा सेवा समिति की ओर से बाइक रैली का आयोजन कर जनसंपर्क अभियान की शुरुआत की गई।

श्री विश्वकर्मा विकास समिति गोरेगांव की ओर से प्रेम नगर स्थित भगवान विश्वकर्मा मार्ग पर श्री विश्वकर्मा जयंती समारोह का आयोजन किया गया। सुबह 10 बजे पूजा ततपश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम व सामाजिक गोष्ठी में सामाजिक एकता पर वक्ताओं ने विचार रखे। श्री विश्वकर्मा वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से सार्वजनिक श्री विश्वकर्मा प्राकट्योत्सव का आयोजन कांदिवली (पूर्व) स्थित वडार पाड़ा रोड नंबर 1, हनुमान नगर के श्री

लता, शामिली कटारिया, ह्रितिक मल्गोत्रा, पप्पू विर्धी, सुषमा कुमारी, रवि कटारिया, मीनाक्षी धीमान, दिव्यांश धीमान आदि उपस्थित रहे। लाइब्रेरी के इंचार्ज जोगिंदर अंगोत्रा ने कहा कि लाइब्रेरी सामाजिक चेतना के लिए संघर्षरत है जिसके नतीजे भी आना शुरू हो गये हैं।

असम विश्वकर्मा समाज की ओर से गुवाहाटी के बेलतला बारसोई में श्री विश्वकर्मा जयंती वार्षिक महोत्सव का आयोजन किया गया। सुबह 10 बजे पूजा हवन के बाद भजन संध्या, विचार गोष्ठी, विश्वकर्मा समाज मिलन, प्रसाद वितरण आदि विविध कार्यक्रम रात 10 बजे तक चलता रहा। संस्था अध्यक्ष राजेश शर्मा, सचिव मनोज शर्मा, कार्यालय सचिव राम लखन शर्मा ने इस अवसर पर विश्वकर्मा समाज को संबोधित किया।

हरियाणा, यमुना नगर के जगाधरी में कारपेंटर उद्योग व्यापार मंडल ने भगवान विश्वकर्मा का प्राकट्योत्सव का आयोजन किया। जगाधरी में श्री विश्वकर्मा चौक पर आयोजित समारोह में भगवान विश्वकर्मा पूजन के बाद सामाजिक चर्चा सत्र का आयोजन हुआ। जिसमें

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक-गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा द्वारा 306, दिघे नगर को आप हाउसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिन्स्टन (वेस्ट), मुंबई-40013 से प्रकाशित एवं एस आर पब्लिकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड, गाला नम्बर-8, 9, 10, घर्टनपाढा, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, नियर भारत गैस गोडाउन, दहिसर (ईस्ट), मुंबई- 400068 से मुद्रित। संपादक - गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा* RNI NO. MAHHIN/2005/16460 मो. 09320566633. (सभी विवादों का निपटारा न्यायक्षेत्र केवल मुंबई न्यायालय के अधीन होगा. *पी. आर. बी. अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

भगवान विश्वकर्मा प्राकट्य दिवस का आयोजन मुंबई सहित उपनगरों में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं की ओर से किया गया। ज्योति रेजिंस एंड एडहेसिव लि. के लोकप्रिय ब्रांड यूरो एडहेसिव ने कई स्थानों पर आयोजित श्री विश्वकर्मा प्राकट्योत्सव में भाग लिया। सामाजिक संस्थाओं ने यूरो एडहेसिव के इस सहभागिता की प्रशंसा करते हुए उनके कर्मचारियों को सम्मानित किया।

काष्ठ मूर्ति कला का शौक बना पांडुरंग वरपे का जुनून

औरंगाबाद। कुछ व्यक्ति विलक्षण प्रतिभा के धनी होते हैं, जो अपने उल्लेखनीय कार्यों की वजह से जाने जाते हैं। शिवना गांव के पांडुरंग भागवत वरपे ऐसा ही एक नाम है। जिला परिषद औरंगाबाद जलापूर्ति योजना में ऑपरेटर के पद पर कार्यरत सिल्लोड तहसील के शिवना गांव के 52 वर्षीय पांडुरंग वरपे को पेंटिंग के साथ ही काष्ठ मूर्तिकला का भी शौक है।

कोरोना महामारी के दौरान पांडुरंग वरपे ने इस खाली समय का सदुपयोग अपनी काष्ठ मूर्तिकला को निखारने में किया। लॉकडाउन के समय उन्होंने लकड़ी से कई महापुरुषों की मूर्तियां बनाई। सबसे पहले उन्होंने महात्मा गांधी की मूर्ति बनाई। इसके बाद भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, महात्मा ज्योतिबा फुले, छत्रपति शिवाजी महाराज, संत धोंडीबा महाराज, स्वामी समर्थ, स्वामी विवेकानंद, गौतम बुद्ध, श्री विट्ठल महाराज की मूर्ति बनाई।

इसके अलावा चूहे का शिकार करते हुए सांप की लकड़ी की मूर्ति, आदिवासी महिला की मूर्ति, बच्चे से प्यार करती हुई उसकी मां, योग करता हुआ पुरुष, कंधे पर हल लिया किसान, बैलगाड़ी, बांग देता हुआ मुर्गा ऐसी अनेक मूर्तियां बनाई। लॉकडाउन जब खत्म हुआ और पांडुरंग वरपे को नियमित रूप से सेवाओं पर जाना पड़ा, उसके बाद भी उन्होंने अपना यह शौक बरकरार रखा। अभी भी वे काम से लौटने के बाद लकड़ी की मूर्तियां बनाने का अपना यह शौक पूरा करते हैं। खास बात यह कि उन्होंने मूर्तिकला का कहीं से भी प्रशिक्षण नहीं लिया, बल्कि यह कला उन्हें जन्मजात ही मिली है। राज्य के कृषि मंत्री अब्दुल सत्तार की भी लकड़ी की मूर्ति बना कर वरपे ने उनके जन्मदिन पर उन्हें भेंट की। इसके अलावा सोयेगांव तहसील के पूर्व विधायक स्व. किसान राव काले की मूर्ति बनाकर जनता के मन में उनकी याद

को ताजा किया। पांडुरंग वरपे ने 'कारपेंटर्स न्यूज़' से बातचीत में कहा कि स्कूल के समय में मुझे पेंटिंग करने का बहुत शौक था। दो-तीन वर्ष पहले एक मूर्ति को तराशना शुरू कर दिया, उसके बाद मैं तस्वीर के सहारे मूर्ति बनाने के कार्य में लग गया। एक मूर्ति बनाने में दो महीने से अधिक समय लगता है। उन्होंने बताया कि काष्ठ मूर्ति बनाने के लिए अच्छी लकड़ी का चुनाव करते हैं। शीशम, सागौन, साल, आबनूस की लकड़ियों से काष्ठ मूर्ति बनाते हैं मगर जटिल डिजाइनों को तराशने के लिए नरम लकड़ी का चुनाव करना पड़ता है। पांडुरंग वरपे ने कहा कि लकड़ियों से मूर्ति बनाना गजब की कला है। इसके लिए घंटों अपना तन और मन खपाना पड़ता है।

E3 PVC EDGE BAND TAPE

कारपेंटर भाइयों की पहली पसंद

भारत में निर्मित

रहे हमेशा नई जैसी

लगाने में आसान, कभी न उतरे

बचाए आपके फर्नीचर को पानी और दीमक से

1st INDIAN MANUFACTURER IN WORLD CLASS QUALITY

E3
elegant | everlasting | economical

+91 70251 70251 | info@e3panels.com | www.e3panels.com

DEALERS ENQUIRY SOLICITED FOR PAN INDIA

समाज में कोई ऊंचा नीचा नहीं - संघ प्रमुख

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि जाति भगवान ने नहीं बनाई है बल्कि जाति पंडितों ने बनाई है। उन्होंने कहा कि भगवान ने हमेशा बोला है कि मेरे लिए सभी एक है। उनमें कोई जाति या वर्ण नहीं है, लेकिन पंडितों ने श्रेणी बनाई जो कि गलत था।

प्रभादेवी स्थित रविंद्र नाट्य मंदिर में संत रविदास की जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह में आरएसएस प्रमुख ने कहा कि देश में विवेक, चेतना सभी एक है, उसमें कोई अंतर नहीं बस मत अलग-अलग हैं। उन्होंने कहा कि हमारे समाज के बंटवारे का ही फायदा दूसरों ने उठाया है। इसी का फायदा उठाकर हमारे देश में आक्रमण हुए और बाहर से आये

लोगों ने फायदा उठाया। हमारे आजीविका का मतलब समाज के प्रति भी ज़िम्मेदारी होती है। जब हर काम समाज के लिए है तो कोई ऊंचा, कोई नीचा या कोई अलग कैसे हो गया। समाज में आज जो बेरोजगारी बढ़ रही है, उसमें भी काम को लेकर बड़ा-छोटा समझना भी एक बड़ी वजह है। मानवता धर्म मानने वालों का जो धर्म है वह हिंदू धर्म है।

भागवत ने कहा कि संत रविदास की जयंती पर कुछ बोलने का मुझे मौका मिला है यह मेरा भाग्य है। संत रोहिदास ने कहा कर्म करो, धर्म के अनुसार कर्म करो। पूरे समाज को जोड़ो, समाज की उन्नति के लिए काम करना यही धर्म है। सिर्फ अपने बारे में सोचना और पेट भरना ही धर्म नहीं है और यही वजह है कि समाज के बड़े-बड़े लोग संत रविदास के भक्त बनें।

भगवान विश्वकर्मा सृष्टि के अभियंता - स्वामी सुदर्शनाचार्य

चित्तौड़गढ़। बड़ीसादड़ी में विश्वकर्मा जांगिड़ ब्राह्मण सुथार समाज की ओर से आयोजित श्री विश्वकर्मा जयंती समारोह में स्वामी सुदर्शनाचार्य ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा सृष्टि के अभियंता हैं। उन्होंने द्वारिका नगरी, लंका पुरी, सुदामा पुरी सहित स्वर्ग की इमारतों का निर्माण किया और उनकी ही कला कृतियों से बनाना हमने सीखा है। उन्होंने नवनिर्माण के युग में चरित्र निर्माण करने पर जोर दिया और आग्रह किया कि समाज की युवा पीढ़ी को दिन में एक बार अवश्य ही मंदिर दर्शन करने जाना चाहिए, इसी से संस्कार संस्कृति आगे बढ़ेंगे। इससे पूर्व समाज की ओर से गोपाल पुरुषोत्तम सत्संग आश्रम परिसर में यज्ञ हवन कर आहुतियां दी गई।

भदेसर में आसावरा माता में न्यू जांगिड़ ब्राह्मण सेवा समिति के तत्वावधान में विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर शोभायात्रा हवन आदि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके बाद में शोभा यात्रा निकाली गई। अंत में सामाजिक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें अध्यक्ष नंदलाल, कोषाध्यक्ष मदन लाल, सचिव बंसीलाल ने सामाजिक कुरीतियां मिटाने का संकल्प लिया गया।

विश्वकर्मा जयंती पर जांगिड़ समाज की ओर से हर्षोल्लास से मनाया गया एवं भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर स्थानीय राम जानकी मंदिर में हवन यज्ञ के बीच पंडितों के माध्यम से धार्मिक अनुष्ठान किए गए। मंदिर से अपराह्न भव्य शोभायात्रा निकाली गई, गीतों और भजनों के साथ शोभायात्रा में ठाकुर जी श्री शालिग्राम जी को बेवाण में विराजित कर श्रद्धालु चंवर ढोलते साथ चल रहे थे। शोभायात्रा में समाज के आराध्य विश्वकर्मा जी की झांकी सजी हुई थी। अंत में ठाकुर जी की आरती कर प्रसाद वितरित किया गया। जांगिड़ ब्राह्मण समाज चोखला की ओर से बेगू में श्री विश्वकर्मा जयंती का आयोजन हुआ। भाटो का मोहल्ला स्थित श्री विश्वकर्मा मंदिर पर भगवान की पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम में महिलाओं ने भजन-कीर्तन किये। आयोजन में सामाजिक विषयों पर चर्चा की गई। दोपहर बाद मंदिर से शोभायात्रा निकाली गई। रथ पर भगवान विश्वकर्मा के चित्र को सजाया गया। नगरवासियों ने जगह जगह शोभायात्रा का स्वागत किया। इस अवसर पर अध्यक्ष कैलाशचंद्र सुथार, महावीर सुथार, दिनेशचंद्र, जगदीशचंद्र ,सुरेश कुमार, भरत कुमार आदि सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सामुदायिक भवन के लिए मिली जमीन

जगदलपुर। विश्वकर्मा समाज सदैव सामाजिक, धार्मिक क्रियाकलापों में सक्रिय भागीदारी करता रहा है। समाज के पास अपना सामुदायिक भवन नहीं होने के कारण काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। समाज ने विगत कई वर्षों से शासन-प्रशासन से जमीन की मांग की थी, जिसे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार ने स्वीकार किया और सामुदायिक भवन हेतु समाज को भूमि का पट्टा दिया। समाज के अध्यक्ष डायमंड शर्मा, उपाध्यक्ष बटोही शर्मा, जिला अध्यक्ष राम प्रवेश शर्मा, संरक्षक बंसी लाल विश्वकर्मा, रमेश विश्वकर्मा, कोषाध्यक्ष पंडित आनंद शर्मा, समाज के युवा कमलेश विश्वकर्मा, दिनेश शर्मा, अनुराग विश्वकर्मा, अशोक शर्मा, संभागीय सचिव अजय शर्मा ने मुख्यमंत्री की उदारता एवं बड़प्पन का आभार माना। समाज के अध्यक्ष एवं समस्त विश्वकर्मा समाज उत्थान समिति बस्तर संभाग जगदलपुर के सदस्यों ने कलेक्टर चंदन कुमार, डिप्टी कलेक्टर आस्था राजपूत, तहसीलदार, तहसील कार्यालय के समस्त स्टाफ को भी धन्यवाद प्रेषित किया।

श्री विश्वकर्मा नाम से होगा डूडी पेट्रोल चौराहे का नामकरण

बीकानेर। गजनेर हाईवे पर डूडी पेट्रोल पंप चौराहे का नामकरण भगवान श्री विश्वकर्मा जी के नाम से होगा। नगर निगम की साधारण सभा में इसके प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी मिल गई। ज्ञातव्य हो सामाजिक कार्यकर्ता चोरू लाल सुथार बीते कई वर्षों से इस चौराहे का नामकरण भगवान श्री विश्वकर्मा के नाम से करने की मांग उठा रहे थे। नगर निगम साधारण सभा में उनकी मांग के अनुरूप श्री विश्वकर्मा तिराहे के नामकरण की मंजूरी मिलने पर बीकानेर के सुथार समाज में प्रसन्नता की लहर है।

EURO 7000
SYNTHETIC WOOD ADHESIVE

Featured with
Blazing Fast Dry Quality

900 Gm
पाउच के अंदर
20 Rs
का टोकन

Waterproof
Adhesive

Anti-Termite
Formula

Fast Drying Adhesive
2-3 Hours Handilng Strength

मजबूत जोड
हमारे रिश्तों का...

Jyoti Resins & Adhesives Ltd.
www.euro7000.com

तापड़िया®
AN ISO-9001 CO.

लीजिए "तापड़िया" के औजार
और अनुभव कीजिए हाथों में शक्ति
प्रत्येक व्यक्ति को हैण्ड टूल्स की आवश्यकता होती हैं।

"तापड़िया"औजार चलें जीवन भर
औजार मानव के हाथ का विस्तार हैं।

Ask For Other Quality Hand Tools From Taparia Like Line Tester, Tin Cutter,
Cable Cutter, Bolt Cutter, Socket Sets, Hacksaw Blades & Non-Sparking Tools Etc...

TAPARIA
Head Office :- 423/424, A-2, Shah & Nahar, Lower Parel (W),
Mumbai - 400013. | Tel: 022 - 6147 8646
E-mail: sales@tapariatools.com | Visit us at www.tapariatools.com
Works: 52-B, M.I.D.C., Satpur, Nashik - 422007 | Tel: 0253 - 2350 317
E-mail: nashik@tapariatools.com | CIN : L99999MH1965PLC013392
AN ISO 9001 COMPANY

TJM/TTL/23/HIN

तापड़िया टूल्स : हाथ उपकरण में अग्रणी

मुंबई। हैंड टूल्स मार्केट में तापड़िया टूल्स का दबदबा है। इसका प्राथमिक लक्ष्य हमेशा कई औद्योगिक क्षेत्रों जैसे विमानन, भवन और आधारभूत संरचना, फर्नीचर, ऑटोमोबाइल और ऑटो सेवा के लिए बेहतर हाथ उपकरण प्रदान करना रहा है। 1969 से तापड़िया टूल्स लि. देश में हैंड टूल्स उद्योग की प्रमुख कंपनी है। तापड़िया टूल्स के हैंड टूल्स उपकरण का उत्पादन सिर्फ भारतीय नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय मानकों को भी पूरा करते हैं। ये उपकरण उच्च गुणवत्ता वाले कच्चे माल और बड़े गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रिया के साथ निर्मित होते हैं, जो उच्च प्रदर्शन करने वाले उपकरण देने की सुविधा प्रदान करते हैं।

हाथ के औजारों के उत्पादन के लिए श्रम – गहन, उच्च – तकनीकी उत्पादन प्रक्रिया की आवश्यकता होती है। कंपनी के पास एमआईडीसी, सातपुर कॉलनी, नासिक में पूरी तरह से सुसज्जित संयंत्र है। जहां हाथ के उपकरण बनाने के लिए आवश्यक सभी उत्पादन सुविधाएं एक ही स्थान पर स्थित है।

तापड़िया टूल्स के सीएमडी एच. एन. तापड़िया मानते हैं कि सभी तापड़िया हैंड टूल्स एगोनीमिक रूप से अधिकतम दक्षता, सुरक्षा और निरंतर उपयोग के लिए मजबूत बनाए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय मानकों का अनुपालन करने के लिए उनका सख्त निरीक्षण किया जाता है।

गुणवत्ता के प्रति जागरूक उपभोक्ताओं के परिष्कृत लेकिन उचित मूल्य के 'डू–इट–योरसेल्फ' टूल्स को चुनने की हालिया प्रवृत्ति को देखते हुए कंपनी ने गृहणियों और बच्चों के लिए घरेलू टूल किट के साथ–साथ वाहनों के लिए यूटिलिटी सेट लांच की है। एच एन तापड़िया का कहना हैं एक विकसित बाजार में इन उत्पादों के लिए एक बड़ा बाजार देखते हैं। हाल ही में कंपनी ने शॉपिंग मॉल और यूटिलिटी होम प्रोडक्ट स्टोर्स में इन उत्पादों का प्रदर्शन किया है। मनुष्य का हाथ बहुत से आश्चर्यजनक कार्य करने में सक्षम है, लेकिन इसकी कुछ सीमाएं हैं। जैसे की जब किसी नट या स्क्रू को कसने की आवश्यकता होती है, तो मानव हाथ इसे अकेले पूरा नहीं कर सकता। यहीं पर हाथ के औजार काम आते हैं। एच. एन. तापड़िया के मुताबिक एक हाथ का उपकरण मानव हाथ का विस्तार है।

अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा विश्वकर्मा समाज का सबसे बड़ा संगठन

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व शिक्षा मंत्री व अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामआसरे विश्वकर्मा ने कहा कि अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा का संगठन आज पूरे देश में सबसे मजबूत प्रभावशाली संगठन है। संगठन को गांव तक पहुंचाने के लिये अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा की ओर से पूरे देश में सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। सभी जिलों में महासभा की विधानसभा कमेटी, नगर कमेटी, ब्लाक कमेटी, टाउन एरिया कमेटी का गठन कर जिम्मेदारी सौंपी जा रही है।

आजमगढ़ स्थित नरौली के विश्वकर्मा भवन में अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा व विश्वकर्मा ब्रिगेड के पदाधिकारियों की मंडलीय बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा समाज के उत्पीड़न अत्याचार की लड़ाई लड़ने के लिये विश्वकर्मा ब्रिगेड के नौजवानों को आगे लाना होगा। जनपदों में महासभा की मासिक बैठक प्रत्येक महीने के प्रथम रविवार को करना सुनिश्चित किया गया है। सभी जिलाध्यक्षों को निर्देश दिया गया है कि वे इसका पालन करें। इसके साथ ही अब टाउन एरिया अध्यक्ष और नगर पालिका अध्यक्ष भी बनाये जायेंगे। प्रत्येक जनपद में

महासभा का अधिवक्ता सेल का अध्यक्ष और सोशल मीडिया का अध्यक्ष व महिला सभा के अध्यक्ष का चयन किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा महासभा की कमेटी में जनाधार वाले विश्वकर्मा समाज के सभी वर्गों के लोहार, बढ़ई, सुनार, ठठेरा, कसेरा, शिल्पकार समाज के महत्वपूर्ण नेताओं को पदाधिकारी बनाया जायेगा। जिलाध्यक्ष व उनकी कमेटी का चयन अब जनपद के विश्वकर्मा समाज की बैठक बुलाकर सर्वसम्मति कराया जाएगा। जिसके लिये प्रदेश का एक प्रभारी भेजा जायेगा। अब संगठन की रिपोर्ट व अन्य सूचना राष्ट्रीय अध्यक्ष के व्हाट्सअप पर भेजे जायेंगे। विश्वकर्मा महासभा के अध्यक्ष अपने जनपद में समाज का कम से कम एक नगर पंचायत का चेयरमैन को अवश्य चुनाव लगाकर जिताएं। विश्वकर्मा ने कहा कि समय समय पर महासभा के पदाधिकारियों की भी समीक्षा की जायेगी। अगर प्रदेश पदाधिकारी अपने अपने जिम्मेदारी का निर्वहन ईमानदारी से करेंगे तो हमारा संगठन गांव तक मजबूत हो जायेगा। बैठक में महासभा संगठन के कार्यकलापों व उपलब्धियों को सोशल मीडिया के माध्यम से विश्वकर्मा जन जन तक पहुंचाने का काम हमारे सोशल मीडिया प्रभारी करेंगे।

OZONE FOR A SAFER WORLD | किचन और फर्निचर फिटिंग्स

अब किचन में जितनी भी उठापटक हो

ओज़ोन किचन फिटिंग्स सब संभाल लेंगे

भारतीय किचन सामान से ओवर–लोडेड होते हैं। चाहे कितनी भी बड़ी किचन हो, छोटी पड़ ही जाती है। रेगुलर यूज़ क्रॉकरी, गेस्ट क्रॉकरी, पार्टी कुकिंग सेट जैसे आइटम्स अक्सर हर किचन में ज़रूरत से ज़्यादा देखने को मिलते हैं। वुडन कैबिनेट, पुल–आउट बास्केट और ट्रे के इस्तेमाल का तरीका भी देखने वाला होता है!

हमारा किचन हर दिन अलग तरह की उठापटक सहता है। इसीलिए ज़रूरी है ऐसे किचन फिटिंग्स की, जो हमारे डेली यूज़ के तरीकों को ध्यान में रखकर बनाई गई हो। इंडियन स्टाइल में टेस्टेड हो। टेक्नोलॉजी के मामले में वर्ल्डक्लास हो। साथ ही दिखने में स्टाइलिश और सुन्दर हो। ओज़ोन किचन फिटिंग्स इन सब फेक्टर्स को ध्यान में रख कर इनोवेट की गई है।

ओज़ोन हार्डवेयर क्यों फेमस है?

ओज़ोन भारत में हार्डवेयर फिटिंग एण्ड सॉल्यूशन का नामी मैन्युफैक्चरर है। ओज़ोन के प्रत्येक प्रोडक्ट्स हाई–क्वालिटी और इनोवेशन के मानकों पर खरा उतरते हैं। साथ ही कस्टमर्स की जरूरतों के हिसाब से नेक्स्ट–जेन डिजाइन भी उपलब्ध करवाते हैं।

चाहे फर्नीचर, डिजिटल लॉक्स, ग्लास फिटिंग्स, दरवाज़े और रेलिंग्स की बात हो या किचन फिटिंग्स रेंज की, ओज़ोन के हर प्रोडक्ट्स इनोवेशन की नई परिभाषा गढ़ते हैं।

एक्सपर्ट्स किस किचन फिटिंग्स की सलाह देते हैं?

मॉड्यूलर किचन में प्रि–मेड या रेडीमेड किचन कैबिनेट होते हैं। यानी यह किचन अनेक यूनिट्स से मिलकर बना हुआ होता है। अगर ये कैबिनेट या यूनिट्स अच्छी क्वालिटी के नहीं होंगे, तो कुछ समय में आपको या तो स्लाइडिंग प्रॉब्लम देखने को मिलेगी या बास्केट्स और कैबिनेट्स लटके हुए नज़र आएंगे। ऐसे में एक्सपर्ट्स ओज़ोन किचन फिटिंग्स की सलाह देते हैं।

इन फिटिंग्स को **50 हजार साइकल्स पर टेस्ट** किया जाता है। साथ ही **15 साल की वारंटी** भी मिलती है। यानी एक बार लगाओ, लॉन्ग टाइम तक टेंशन–फ्री हो जाओ।

ओज़ोन किचन फिटिंग्स के बेहतरीन फीचर्सः

- पूरी रेंज स्टेनलेस स्टील से बनी
- ऊपर क्रोम की प्लेटिंग
- 15 साल की वारंटी
- जंग लगने का कोई चांस ही नहीं
- स्लाइड इंस्टालेशन के लिए साइड ब्रैकेट्स उपलब्ध
- सॉफ्ट क्लोज़ फिटिंग्स

ड्यूरेबल और मजबूत फिटिंग्स, स्लीक डिज़ाइन, 40 किलो वजन सहने की क्षमता वाले टेलीस्कोपिक स्लाइड्स, आसान इंस्टालेशन और हिंजेज के थ्री डाइमेंशनल एडजस्टमेंट फीचर बनाता है ओज़ोन किचन फिटिंग्स को ज़्यादा भरोसेमंद, टिकाऊ और सुन्दर।

अब बेफिक्र ओज़ोन किचन फिटिंग्स अपनाइए और किचन में मनचाही उठापटक कीजिए। क्योंकि ओज़ोन किचन फिटिंग्स सब संभाल लेंगे। अधिक जानकारी के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें।

www.ozone-india.com 09310012300

एक दूजे के हुए कियारा-सिद्धार्थ

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने राजस्थान में जैसलमेर के सूर्यगण पैलेस में शादी कर ली है। शादी की रस्मों और शादी के दिन तक भी नो फोन पॉलिसी के चलते जोड़े की

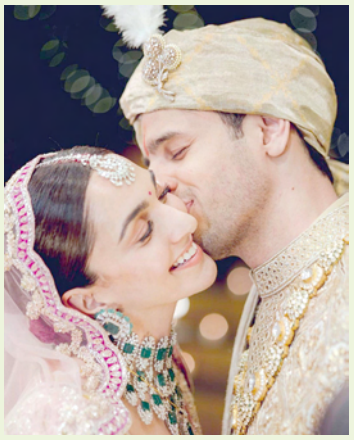

कोई तस्वीर किसी को देखने नहीं मिली, लेकिन शादी के बाद दोनों ने फोटो पोस्ट कर सभी से यह खुशखबरी साझा की। सिद्धार्थ और कियारा ने शादी की तस्वीरों को पोस्ट करते हुए लिखा कि अब हमारी परमानेंट बुकिंग हो गई है। हम अपने सफर में आपका आशीर्वाद और प्यार चाहते हैं।

कियारा ने शादी पर ओंब्रे पिंक कलर का लहंगा पहना जिसके साथ स्वीटहार्ट नेकलाइन का मैचिंग ब्लाउज भी था। कियारा ने इस खास अवसर के लिए मनीष मल्होत्रा के डिजाइनर लहंगे को फाइनल किया। कियारा ने अपने पेस्टल लुक को पूरा करने के लिए डायमंड का चोकर, स्टड इयररिंग्स, मांग टीका और बैंगल्स भी पहने। ये डायमंड जूलरी हैंड कट डायमंड से बनी है, जिसमें रेयर जांबियन मोती लगे हैं। अपने बालों को कियारा ने स्लीक बन में बांधा और अपने डुई मिनिमल मेकअप के साथ लुक पूरा किया। दूल्हे राजा सिद्धार्थ इस मौके पर मटैलिक गोल्डन शेरवानी में नजर आए। एंब्रॉयडरी वाली इस गोल्डन शेरवानी के साथ मैचिंग साफा और पजामा पहने सिद्धार्थ ने भी खूब वाहवाही बटोरी। इस शेरवानी को आइवरी थ्रेड वर्क, गोल्ड जरदोजी और बदला वर्क से तैयार किया गया है। शादी के मंडप में कियारा का पेस्टल लहंगा और सिद्धार्थ की गोल्डन शेरवानी एक साथ बेहद खूबसूरत और एक दूसरे की सुंदरता पर चार चांद लगाते हुए प्रतीत हुए। सिद्धार्थ और कियारा ने एक साथ फिल्म शेरशाह की थी, जिसके बाद से ही दोनों के रिलेशनशिप की खबरें आने लगीं थी। कॉफी विद करण के सीजन 7 में सभी को यह पता चल गया था कि दोनों रिलेशनशिप में हैं और शादी करना चाहते हैं।

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी जुलाई में होगी रिलीज

शाहरुख खान की फिल्म पठान की कामयाबी के बाद एक बार फिर दर्शकों के बीच बॉलीवुड का खुमार चढ़ गया है। फिल्म निमार्ता भी फैन्स की प्रतिक्रिया को देख खुश हैं। ऐसे में निमार्ता करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी जल्द बॉक्स ऑफिस पर अपना जलवा दिखाने आ रही है।

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी फिल्म में आलिया भट्ट और रणबीर सिंह मुख्य किरदार में नजर आएंगे। फैन्स फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में आलिया और रणवीर दोनों ने अपने फैन्स के लिए रिलीज डेट का खुलासा किया है। इंस्टाग्राम पर दोनों सितारों ने पोस्ट कर फैन्स को जानकारी दी कि फिल्म 28 जुलाई 2023 को सिनेमाघरों में आने वाली है। फिल्म की रिलीज डेट के सामने आने के बाद फैंस काफी खुश है। आलिया भट्ट ने फिल्म का एक पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा कि रॉकी और रानी की प्रेम कहानी 28 जुलाई 2023 को रिलीज हो रही है, फिल्म में मिलते हैं...

एक्ट्रेस के इस पोस्ट पर जान्हवी कपूर, जोया अख्तर समेत कई सितारों ने रिएक्ट किया है।

करण जौहर के निर्देशन में बनी रॉकी और रानी की प्रेम कहानी फिल्म एक लव स्टोरी है। करण जौहर ऐ दिल है मुश्किल के बाद से बड़े पर्दे से दूर थे। ऐसे में अब वह एक बार फिर अपनी फिल्म से वापसी करने वाले हैं। फिल्म को लेकर उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा कि सब्र का फल मीठा होता है, इसलिए इस अविश्वसनीय रूप से विशेष मिठास को बढ़ाने के लिए इस कहानी के जरिए हम ढेर सारा प्यार लेकर आ रहे हैं।

रितेश के होली गीतों का धमाल

सिंगर एक्टर रितेश पांडेय का होली गीत घरे सब परदेसिया अइले ने धमाल मचा दिया है। उनका यह होली गीत सारेगामा हम भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है। इस गाने को एक ही दिन में 1 मिलियन से अधिक लोगों ने देखा है और यह गाना बेहद तेजी से वायरल हो रहा है। इस गाने में भी रितेश अपने चिर परिचित अंदाज में ऑडियंस का मनोरंजन करते नजर आ रहे हैं। एक बार फिर से सारेगामा भोजपुरी के लिए फीमेल म्यूजिक सेंसेशन शिल्पी ने अपनी आवाज

दी है। उन्होंने रितेश पांडेय के साथ मिलकर प्लेबैक सिंगिंग किया है जो अब दर्शकों को पसंद भी आ रहा है। वही होली गीत घरे सब परदेसिया अइले को लेकर सारेगामा हम भोजपुरी के बिजनेस हेड बद्रीनाथ झा ने कहा कि होली का त्योहार सबकी जिंदगी में खुशियां लेकर आता है। भोजपुरी वर्ल्ड में इसे अपने ही तरीके से मनाते हैं, जिसमें संगीत का अहम योगदान होता है। लोकगीतों के बगैर होली का रंग कहां चढ़ता है।

प्रियंका की बेटी मालती का चेहरा सामने आया

प्रियंका चोपड़ा सोशल मीडिया पर बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस का चेहरा शेयर नहीं कर रही थीं, लेकिन अब उन्होंने बेटी मालती के साथ एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की है, जिसमें उनकी और निक जोनस की बेटी का चेहरा नजर आ रहा है। इसके अलावा सोशल मीडिया पर काफी तेजी से मालती की तस्वीरें वायरल हो रही हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में लॉस एंजिल्स में एक कार्यक्रम में भाग लिया, जहां वो अपनी बेटी और पति के साथ नजर आईं। मालती की तस्वीरें और वीडियो इसी कार्यक्रम से सामने आई है। प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ने 2018 में 1 और 2 दिसंबर को जोधपुर के उम्मेद

भवन पैलेस में ईसाई और हिंदू समारोह में शादी के बंधन में बंधे थे। बाद में इस जोड़े ने दिल्ली और मुंबई में दो रिसेप्शन भी आयोजित किए। इसी क्रम में दंपति ने पिछले वर्ष जनवरी में सरोगेसी के जरिए अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस का स्वागत किया।

प्रियंका चोपड़ा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वो इट्स ऑल कमिंग बैक टू मी और सिटाडेल में नजर आएंगी। रूसो ब्रदर्स द्वारा निर्मित सिटाडेल प्राइम वीडियो पर ओटीटी पर रिलीज होगी। आगामी साइंस फिक्शन ड्रामा सीरीज का निर्देशन पैट्रिक मॉर्गन कर रहे हैं और इसमें प्रियंका के साथ रिचर्ड मैडेन भी हैं। इसके अलावा प्रियंका आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ के साथ फरहान अख्तर की जी ले जरा में नजर आने वाली हैं।

मीडिया से बात करते बेहोश हुईं राखी

अभिनेत्री राखी सावंत अपने पति आदिल खान दुरानी की गिरफ्तारी के बाद पत्रकारों से बात करते हुए बेहोश हो गई। राखी ने आदिल पर उनसे मारपीट करने समेत उनके गहने व पैसे चुराने का आरोप लगाया है। राखी ने यह भी दावा किया कि आदिल का कई अन्य महिला से विवाहेतर संबंध है। पुलिस द्वारा आदिल की गिरफ्तारी के बाद राखी मीडिया के सामने आईं। आदिल के व्यवहार के बारे में बताते हुए राखी बेहोश हो गईं। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं बेहोशी के दौरान भी राखी द्वारा फोन नहीं छोड़ने को लेकर उन्हें ट्रोल भी किया जा रहा है। लोग इसे ड्रामा बता रहे हैं। वीडियो में राखी कह रही हैं कि मुझे अदालत पर भरोसा मेरे साथ न्याय होगा, उन सभी लड़कियों के साथ न्याय होगा, जिनके साथ आदिल ने क्रूरता की है। उसने बहुत सारी लड़कियों के साथ गलत

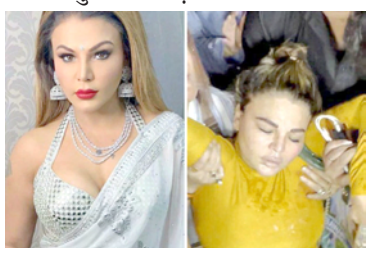

किया है। उसे कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। इसके बाद राखी बेहोश होकर गिर जाती हैं। राखी के बेहोश होकर गिरने के बाद लोग पानी की छींटें उनके मुंह पर डालते हैं। इसके बाद उन्हें उठाकर उनकी कार में ले जाया जाता है। वह अपने घर के लिए रवाना हो जाती हैं।

एक्शन से भरपूर होगी गदर 2

2001 में सनी देओल की फिल्म गदर एक प्रेम कथा आई थी, अब इसका दूसरा भाग गदर 2 भी आने वाला है। यह फिल्म अगस्त 2023 को रिलीज होगी। गदर 2 भी पहले भाग की तरह ही धमाकेदार एक्शन से भरपूर होने वाली है, इसलिए दर्शकों को इसका बेसब्री से इंतजार है। लेकिन रिलीज से पहले ही गदर 2 की शूटिंग का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। करीब 13 सेकेंड के वायरल वीडियो में सनी देओल पुराने अंदाज में ही नजर आ रहे है। गदर के पहले भाग में तारा सिंह का किरदार निभा रहे सनी देओल ने पाकिस्तान मे जाकर हैंडपंप उखाड़ने का एक्शन सीन किया था। इस बार वह हैंडपंप नहीं बल्कि खंभा उखाड़ते नजर आएंगे। तारा सिंह को एक सीमेंट के खंभे से बांधा गया है। तारा को चारों तरफ से सैनिकों ने घेर रखा है। लेकिन काले पठानी कुर्ते में रस्सियों से बंधे तारा को जब गुस्सा आता है तब वह पूरा खंभा ही उखाड़ देता है। ये सीन देखने के बाद लोग फिर से एक धमाकेदार एक्शन से भरपूर फिल्म की उम्मीद लगाए बैठे हैं। 2001 में आई गदर एक प्रेम कथा उस समय की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक थी। फिल्म में सनी देओल, अमीषा पटेल, अमरीश पुरी मुख्य भूमिका में थे। 1947 में हुए भारत विभाजन पर आधारित गदर एक प्रेम कथा में सनी देओल एक सिख की भूमिका में थे। अमीषा पटेल ने एक मुस्लिम लड़की की भूमिका निभाई थी, जो विभाजन के बाद अपने परिवार के साथ पाकिस्तान नहीं जा पाई और भारत में ही छूट गई। भीड़ ने उसे मारने की कोशिश की लेकिन तारा सिंह का किरदार निभा रहे सनी देओल ने उसे दंगाइयों से बचाया था।

OZONE®
FOR A SAFER WORLD
किचन और फर्निचर फिटिंग्स

ओज़ोन किचन फिटिंग्स का भरोसा साथ रहे हमेशा

हम सब संभाल लेंगे

रोलर शटर

एर्गोटेक स्लिम ड्रावर सिस्टम

मैजिक कॉर्नर यूनिट

सॉफ्ट क्लोज हिंजस

15 साल तक की वारंटी*

50,000* साइकल्स टेस्टेड

पूर्ण ओज़ोन प्रोडक्ट्स की जानकारी के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

*नियम व शर्तें लागू

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें 09310012300